जामिया मिल्लिया इस्लामिया

जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय

प्रेस विज्ञप्ति 27 अक्टूबर 2020

जामिया के कर्मचारियों ने भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए सत्यनिष्ठा की शपथ ली

देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार को मुख्य रूकावटों में से एक को देखते हुए, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कर्मचारियों ने आज 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' बनाने का संकल्प लिया। कोविड -19 के कारण सोशल डिस्टेंसिंग के मानदंडों का पालन करते हुए, रजिस्ट्रार श्री ए.पी. सिद्दीकी (आईपीएस) ने यह शपथ दिलाई।

सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी के महत्व पर ज़ोर देने और भ्रष्टाचार के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति को लागू करने के लिए 27 अक्टूबर से 02 नवंबर, 2020 तक चलाए जा रहे 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' में जामिया के कर्मचारियों ने यह शपथ ली। इस बार के 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' का मूल विषय 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' है।

कर्मचारियों ने अन्य बातों के अलावा, काम-काज में नैतिक व्यवहार, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को बढ़ावा देने, न रिश्वत लेने और न देने, पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता के आधार पर अच्छे कॉर्पोरेट गवर्नेस के प्रति प्रतिबद्धता; कामकाज में प्रासंगिक कानूनों और नियमों का पालन; सभी कर्मचारियों को आचार संहिता अपनाना; अपने कर्तव्यों के ईमानदार निर्वहन के लिए अपने काम से संबंधित प्रासंगिक कानूनों-नियमों आदि के प्रति कर्मचारियों को संवेदनशील बनाना; शिकायतों और धोखाधड़ी संबंधी गतिविधियों की रिपोर्टिंग के लिए कारगर शिकायत निवारण और व्हिसल ब्लोअर तंत्र प्रदान करना, जिससे बड़े पैमाने पर हितधारकों और समाज के अधिकारों और हितों की रक्षा की जा सके, आदि के बारे में संकल्प लिया।

सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार मुक्त समाज का लक्ष्य हासिल करने प्रयासों के तहत, केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), हर साल 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' का आयोजन करता है।

अहमद अज़ीम

जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक